'सेवा' का स्वराजदर्शन

स्वतंत्र भारत में लाखों श्रमिकों को पूर्ण स्वायत्तता नहीं दी गई है।

पूर्ण स्वराज का अर्थ पूर्ण आत्मनिर्भरता है। पूर्ण आत्मनिर्भरता का मतलब आर्थिक और वैचारिक आत्मनिर्भरता है। पूर्ण रोजगार के बिना यह संभव नहीं है।

पूर्ण रोजगार का अर्थ है – हर परिवार को भोजन, स्वच्छ पानी, कपड़े और आवास की प्राप्ति उनकी अपनी आय में से मिले । स्वास्थ्य देखभाल, बाल देखभाल, बीमा और पेंशन के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो । 'सेवा' पूर्णरोजगार के लिए अंतहीन प्रयास करता रहेगा।

'सेवा' की संगठित सदस्य बहने अहिंसक संघर्ष और रचनात्मक कार्यो द्वारा पूर्ण रोज़गार प्राप्त करेंगे । पूर्ण रोजगार का यह कार्यक्रम 'सेवा' का मुख्य कार्यक्रम होगा ।

सेवा संगठन के मौलिक मूल्यों में सच्चाई, सांप्रदायिक एकता, सामाजिक न्याय एवं सादगी होगी ।

श्रमिक महिलाओं का यूनियन और सहकारी संगठन बनाना, सेवा की रणनीति होगी । इस तरह यह आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा ।

संगठित आवाज उभरेगी और महिलाओं के योगदान स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय आय में दिखेगा। अर्थात पूर्ण स्वरोज़गार को पूरा करने के पथ पर देश का नेतृत्व श्रमिक बहने करेंगी ।

'सेवा' का यह स्वरूप होगा और इस में दृढ़ विश्वास होगा ।